



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—चाप 1
PART III—Section 1

शासकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 24, 1986/प्राशिवन 2, 1908

No. 23] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 24, 1986/ASVINA 2, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दे जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भारत सरकार
अर्जन रेंज-1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
अहमदाबाद, 13 अगस्त, 1986

निवेद नं. पी. आर. नं. 4283 अर्जन 23/I/86-87 :—अतः
मुझे, श्र. के. सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) “(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम
कहा गया है) की धारा 269 व (1) के अधीन मान्य
पदाधिकारी को यह विवास फरने का कारण है कि स्थावर
समाप्ति, जिसमा उचित आजार मूल्य ₹. 100,000 से अधिक है और
जिसकी सं. अपील शेवफल 1078 वर्ग मीटर+पुराना भकान अहमदा-
बाद में है। तथा जो टी पी एस 3, एफ पी नं. 553, एरा पी नं. 3,
अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ बनुदूबी में और पूर्ण
रूप से बिण्ठा है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1986
की पूर्वोक्त सम्पत्ति वे उपित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिये
अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास फरने का कारण है कि
यथात् वैक्षणिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल से,

एक दृश्यमान प्रतिकाल का पञ्चवां प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिये तथा पाथा गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से यक्ष अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायिल में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के
लिए और/या अन्य/या ।
- (ब) ऐसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय
आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये
था, छिपाने में सुविधा के लिये ।

अतः, अब उपन अधिनियम की धारा 269 व (1) के अनुमति में मैं,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-व (1) के उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अधिकारी, अर्जान :—

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी प्रधुमन रनछोडलाल वैद्य^१
मंजुला मनोजभाई वैद्य

सरोज कनुभाई वैद्य
 अनंत प्रद्युमन वैद्य
 कनुभाई प्रद्युमन वैद्य
 जयश्री प्रद्युमन वैद्य
 मनोज प्रद्युमन वैद्य
 श्री पार्क, टाकन हाल के नजदीक, आग्रहरोड़,
 ऐलीस ब्रीज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) अपवाल शोप्स अण्ड भौकिरीज
 ओनर्स एसोसिएशन,
 फर्ट प्लॉट, शीपावली सेंटर,
 द्वारकानगर के सामने,
 अहमदाबाद-14 (अन्तरक)

यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतष्ट-
 द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
 की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से
 30 दिन की अवधि, जो भी अधी बाब में समाप्त होती
 हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
 के भीतर उक्त स्थानवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति
 द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो आयफर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में यथाप्रसिद्धित
 है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन सेक्रेटर 1078 बर्न मीटर, पुराना मकान के साथ 108
 वर्ग घरें, अमीन अहमदाबाद मूल्निसिपल कार्पोरेशन के रोड लाइन में
 चला गया है। ई. पी. एस 3-5, एफ. पी. बी. 553 पैकी एस पी बी. सं.
 3, अहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन मं. 8706, 8705, 8702, 8714, 8713,
 8708/12-5-86

तारीख: 13-8-86

मोहर: अहमदाबाद

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISI- TION RANGE I

Notice Under Section 269 D (1) of the Income Tax
 Act 1961 (43 of 1961)

Ahmedabad, the 13th August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4283 Acq. 23/1/86-87.—Whereas ; I, A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Adm. 1078 sq. m. + Old Bldg. at Ahmedabad T.P.S 3. F.P. No 553 S.P No. 3, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferors to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons, namely :—

(1) Pradyuman Ranchhodlal Vaidya

Manjula Manojbhai Vaidya

Soraj Kanubhai Vaidya

Anant Pradyuman Vaidya

Kanubhai Pradyuman Vaidya

Jayshree Pradyuman Vaidya

Manoj Pradyuman Vaidya

All at Shree Park—

Near Town Hall, Ashram Road,
 Ellisbridge, Ahmedabad. 6

(Transferor) (s)

(2) Agrawal Shops and Office Owner's Assn.,
 1st Floor, Dipawali Centre,
 Opp : High Court, Ahmedabad-14.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land Adm. 1078 sq.m. with Old Bldg. thereon (out of which claimed to be gone in Road line) at Ahmedabad T.P.S. 3-5 varied F.P. No. 553 paiki SP No. 3 Ahmedabad. R. No. 8706, 8705, 8702, 8714, 8713, 8708, 8704. All dated 12-5-1986.

Dated : 13-8-86

Seal : Ahmedabad.

अहमदाबाद, 21 अगस्त, 1986

तिरेश ने, पी. आर. ने 4339 अर्जन 23/1/86-87 :—अतः मुझे, ए. के., सिन्हा आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269के अधीन संक्षम प्राविधिकी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹. 100,000 से अधिक है और जिसकी सं. नीर्भलनगर बड़वा, भावनगर, सी. एस. नं. 4823, बाईं नं. 1 है सवा जो थीट नं. 165, जमीन लेटफल 7428.19 बर्ग मीटर और कंस्ट्रक्शन में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्रवाय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-4-86 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृष्ट्यामान प्रतिक्रिया के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यावपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यामान प्रतिफल से, एक दृष्ट्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तररक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिये तथ पया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्घेष्य से युक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है।

(क) अन्तर्राष्ट्र से हुई किसी आय की आवृत्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अवीन कर देने के अस्तरक के शायित्व में कर्म करने या उससे बचने में सुविधा लिए; और/या

(अ) ऐसी आय या विस्तृत धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनहत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावाले अन्तर्भूत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, उपरोक्त में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में भौतिक अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :-

(१) भावनगर इलेक्ट्रोसिर्टी
 कंपनी सिमिटेक,
 पावर हाउस कम्पाउन्ड,
 चावडी गेट,
 भावनगर- ३६४००१

(2) मैसर्स पिंग्रो लिमिटेड,
 "ब्रह्मावर" चौदवा मजला,
 229, नरीमान पोइट्स,
 बम्बे-400021

यह सूचना आरी करके पूर्वान्त ममति के अर्जन के लिए एतद्वारा इयंवाहियों शृणु करता है।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन में संबंध से कार्रा भी आये।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन को तारंग से 45 दिन की अवधि या तस्वीरेषी व्यक्तियों पर सूचना को तारंग से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि या अधिकारियां आंशिक द्वारा, अंग्रेज सरकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूसत् शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथापरिमिति है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निर्मलनगर वडां, भावनगर, सो. एस. नं. 4823, वाई. नं. 1,
सीट मं. 165 जमात सेतकल 7428.19 वर्ग माटर और कॉस्ट्रक्शन
बोतकल 3285.82 वर्ग माटर रप्रिस्ट्रेशन नं. 1234/दिनांक 28-4-86.

सरिक्ष : २१-८-८६

मातृकावाक्य

Ahmedabad, the 21st August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4339 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I, A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nirmalnagar Vadva, Bhavnagar C.S. No. 4823, Wd. No. 1, Sheet No. 165, land adm. 7428.19 sq. mtrs. and construction adm. 3285.82 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 28-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

The Bhavnagar Electricity Co. Ltd.,
Power House Compound,
Chavdi Gate,
Bhavnagar-364001.

(Transferor) (s)

M/s. Vipro Ltd.,
"Bailktavar", 14th Floor,
229, Nariman Point,
Bombay-400021.

(Transferee) (s)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nirmalnagar Vadva, Bhavnagar C.S. No. 4823,
Wd. No. 1, Sheet No. 165 Land adm.
7428.19 sq. mtrs. and construction adm.
3285.82 sq. mtrs.

R. No. 1234 dt. 28-4-86.

Ahmedabad

Mahamshabda, 22 अगस्त, 1986;

निवेदन नं. पी. पार. नं. 4685/II/23 (86-87) :—मत्र: मुझे, ए. के. सिंहा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी मं. भिन्नल नोड. नं. 1 नंदा नं. 668/ए/1 है तथा जो नानपुरा सुरत में स्थित है (और इसके उपावद प्रत्युष्मी भूमि पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, 37ई का फार्म पर कायालियम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (37ई का 16) प्रधीन 21-4-86 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पति का उचित आजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एक दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भ्रष्टरक (भ्रष्टरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोध के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रत्यरोध से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कारी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, लिखने में सुविधा के लिये।

मत्र: अब उक्ते अधिनियम की धारा 269ब के प्रत्युष्मी में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) भोरीलाल अग्रवाल धनमयाला,
भैमनवाला मिलक मिला,
देष्टूत सोयायटी,
आपावा नाईन्स
सुरत

... (अन्तरक)

(2) मै. विजन विल्डर
1/3256, नार्स, मेयान,
गोप. पुरा
सुरत

... (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एस्टटारा कायांवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बुद्धि व्यक्तियों पर सूचना की साक्षीम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी आय व्यक्ति द्वारा, इन्होंने साक्षीम के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रव्याय 20 में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होता है, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची :

37ई का फार्म पर कायालियम में प्रत्रैल-86 को पेश किया गया है।

लारीख. 22-8-86
मोहर: अहमदाबाद

Ahmedabad, the 22nd August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4685/II/Acq. 23 (86-87).—Whereas, I, A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Property at Ward No. 1, Nodh No. 668/A/1 Nanpura, Surat, Form No. 37 EE is submitted (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on 21-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under

the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Bhogilal Amaratlal Dhamenwala,
Karta & Manager of H.U.F.
& Others and (Transferor) (s)
2. M/s. Dhamanwala Silk Mills,
Partnership Firm—through its partners.
At Meghdoot Society,
Near Parade Ground,
Athawa Lines, Surat.
(Transferee) (s)
2. M/s. Chintan Builders,
13256 Kaji Madan,
Gopipura, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Form No. 37EE are submitted in the office of the undersigned in April 1986.

Ahmedabad

Dated : 22-8-1986

Seal

निदेश नं. पी. आर. नं. 4686/II/86-97 :—आमे मुझे ए. के. सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. मिलवत जो सूचत में स्थित—टी. पी. एस. १ है। तथा जो फाइल प्लाट नं. 231/4 में स्थित है (अग्र इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी

के कार्यालय, 37ई, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 37 ई, (37 ई का 16) के अधीन 3-1-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दायरमान प्रतिफल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायरमान प्रतिफल से, एक दायरमान प्रतिफल का बढ़द ह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तर्काँ) और प्रस्तरिती (अस्तरितीयों) के दोनों ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी कार्य की वापसी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायरिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या मन्यवा।

(ख) ऐसी आय या किसी धन या प्रत्येक प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटित थिए अर्थात् :—

(1) श्री मणिलाल एन. माली	।
श्रीमती श्रीमती के. माली	।
मदन कुमार ए. माली	।
प्रपित्रालय ए. माली	।
बेबेल	।
मणिलाल एन. माली	।
शशिकाळा एम. गाली	।
काली एच १ माली	।

(अन्तरक)

(2) मे. जे. जे. कापोरेशन,	
305, सागर शोपिंग कापोरेशन	
रिंग रोड,	
सूरत	

(अस्तरिती)

यह सूचना आमे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।

(क) इस सूचना के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताधारी के लाल सिद्धित में किए जा सकें।

मालिकाना :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्ष

37ई का कार्य पर कार्यालय में प्रैल-86 में दिया किया गया है।

तारीख : 22-8-86

मोहर : प्रहमदाबाद

Ref. No. P.R. No. 4686[II]Acq. 23/86-87.—Whereas I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. [] Property at Surat situated at T.P.S. No. 8 F.P. 136[4], Form No. 37 EE is submitted (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on 3-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properties by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Magan Lal Nathubhai Mali.
2. Archana Kantilal Mali.
3. Bharatkumar A. Mali.
4. Damyanti K. Mali.
5. Pavitraben A. Mali.
6. Pavitraben for Minor Devendrabhai Mali.
7. Navinchandra M. Mali for Minor Deepki N. Malis.
8. Navinchandra M. Mali for Minor Deepash N. Mali.
9. Navinchandra Maganlal Mali.
10. Pravitraben A. Mali for Minor Sanjay Mali.
11. Smt. Jyotsanaben N. Mali.
12. Smt. Shashikala Jagdishchandra Mali.
13. Kantilal Maganlal Mali for Minor Hemali K. Mali.
14. Shri Kantilal M. Mali for Minor Purvesh K. Mali.
15. Shri Kantilal Maganlal Mali.

M/s. J. J. Corporation
305, Sagar Shopping Corporation,
Shahara Darwaja, Ring Road,
Surat.

All at Zampa Bazar,
Main Road Surat.

(Transferor) (s)

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Form No. 37 EE are submitted in the office of the undersigned in April 1986.

Ahmedabad

Dated : 22-8-1986

Seal

निवेदन नं. पी.ग्रा. 4324 :—प्रतः मुझे ऐ.के. सिंहा, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचवात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन समन प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000 से अधिक है और जिसकी में जनीन क्षेत्रफल 2640 वर्ग याँड़-मकान राजपुर हीरपुर में है। तथा जो सीमा ऐक पी.न. 127, हिस्सा 1-ऐ-1, अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूचित में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भार्च 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि स्थावर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चांश प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी कार्य की वास्तव आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अस्य/या

(ख) ऐसी आय या किसी घन या मन्त्र अस्तित्यों को जिस्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

प्रत: जब उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम, की घारा 269-प की उपघारा (1) के मध्यम सिस्त विभिन्न व्यक्ति द्वारा दर्शाया गया है।

(1) श्रीमती केरवानु रुस्तमजी ए. बाड़ीया,
फैन्यबेन रुस्तमजी ए. बाड़ीया,
जहांगीर फौरोजशा बाड़ीया,
बानूबेन फौरोजशा ए. बाड़ीया, और प्रन्थ
क./ओ. श्रीमती फैनी एच. मर्चेन्ट,
सी-46 लूशस बाग,
कोलाबा, बोम्बे-400039.

(अस्तरक)

(2) न्यू विक्रय को. ओ. रा. सोसायटी निवार्टेड,
चैयरमेन-से केटी-सेम्बर्स,
जयंतीलाल चूनीलाल पटेल,
5-ए, भावना रो हाउस,
रानीप, ग्रहमदावाद

(अस्तरितो)

यह सूचना जारी करने के पूर्वीकृत सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए एवं
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की
प्रवधि या तस्वीरित व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की
प्रवधि जो भी अवधि बावजूद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के
भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधो-
हस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

सापांटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथापरिमाणित है वही कार्य होगा, जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्ति

जमीन क्षेत्रफल 880+880+660+220 वर्ग यार्ड+मकान,
टोटल जमीन 2640 वर्ग यार्ड, राजपुर-हीरपुर सीमोने, एफ.पी.नं. 127
पैकी हिस्सा नं. 1-ए-1, ग्रहमदावाद, रजिस्ट्रेशन नं. 4125-4473-
4470-4469/मार्च 1986

तारीख: 22-8-86

मोहर: ग्रहमदावाद

Ref. No. P.R. No. 4324[I]Acq. 23/86-87.—Whereas, I A. K. Sinna being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land Adm. 2640 sq. yds. Building at Rajpur Hirpur, Sim F. P. No. 127, Hissa 1-A-1, Ahmedabad and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed

to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Kerbanoo Roostamji A. Wadia,
Kenyben Roostamji A. Wadia,
Jahangir Firojsha Wadia,
Banooben Firojsha A. Wadia,
Sirinben Firojsha A. Wadia & Others
All at C/o., Smt. Freny H. Merchant,
C-46, Khooshroo Baug,
Colaba, Bombay-400039.

(Transferor) (s)

New Vijay Co. op. Housing Society Ltd.
Chairman/Secretary/Member,
Jayantilal Chunilal Patel,
5-A, Bhavana Rew House,
Renip, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land Sq/ 880+880 +660 +220 Sq. Y.+
Building,
(Total Land 2640 Sq.Y.) at Rajpur Hirpur
Sim. F. P. No. 127,
Paiki Hissa No. 1-A-1, Ahmedabad,
R. No. 4125-4473-4470-4469. March 1986

Ahmedabad :

Dated 22-3-86

Seal

निदेश नं. पी. आर. नं. 4329—प्रत: मूर्मे ले. के. सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब' के अधान
सभ्यता प्राप्तिकारी को यह विवाह करने का कानून है कि स्वावर सभ्यता,
जिसका उचित जाता र मूल्य रु. 1,00,000 से अधिक है और जिसकी
सं. अपार्टमेंट नं. 1, महावीर अपार्टमेंट है। तथा जो पेलेस रोड,
शेवफल 610 बर्न फीट राजकोट में स्थित है। और इसके उपावड़
अनुद्धरि में और पूर्व हृष से थिए हैं। राजीवीकारी प्रधिकारी के कार्या-
लय, राजकोट में अधिनियम अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
शब्दों 18-2-36 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कठ के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवाह करने का
कारण है। कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाता र मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, एक दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरियी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये
तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से युक्त प्रत्यालय निवित में
गालिक रूप से कठित नहीं किया गया है।

(क) भास्यमान से दूर्व निर्दिष्ट जाती वाद की आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान
में कठी भरने या उनमें भरने में मुदिष्ठ के लिए और/या अन्य/या

(ख) ऐसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भास्यमान
आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रत्यारित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
आविष्ये था, छिपाने में मुदिष्ठ के लिये।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में भू
उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
स्वित ये अर्थात्—

(1) इर्दा र बम्बतराय गांधी
कलावड रोड,
राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीनचंद्र नवरचंद्र महेता
फ्लैट नं. 3. जी एक
महावीर अपार्टमेंट,
पेलेस रोड, राजकोट

(अन्तरित)

यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के लिए एतद्वारा
कार्यालयित गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तात्त्विक से 30 दिन की
अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा,
अधीक्षित के पास निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथापरिसाधन
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

एपार्टमेंट नं. 1,
जी. एक.,
610 बर्न फीट,
महावीर एपार्टमेंट,
पेलेस रोड,
राजकोट,
रजिस्ट्रेशन नं. 1293/86
दिनांक 18-2-86

तारीख 22-8-86

मालिक: अहमदबाद

Ref. No. P. R. No. 4329 Acq. 23/I/86-87—
Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 bearing No. Apartment No. 1, Mahavir Apartment, Palace Road, Adm. 610 sq. ft., Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 18-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

Indira Vasantrao Gandhi,
Kalawad Road,
Rajkot.

(Transferor) (s)

Pravinchandra Navarchand Mahta,
Flat No. 1, G. P.,
Mahavir Apartment, Palace Road,
Rajkot.

(Transferee(s))

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Apartment No. 1, G. F. Adm. 610 sq. ft.
Mahavir Apartment—Palace Road, Rajkot.
R. No. 1293/86 dt. 18-2-86.

Ahmedabad

Dated : 22-8-86

Seal

निवेदन नं. पी. आर. नं. 4340—अतः मुझे प. के. मिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब के अवधि सक्षम पदाधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य रु. 1,00,000 से अधिक है और जिसकी संज्ञीन जमीन शेखपुर, खानपुर में टी. पी. एम-3, एफ. पी. 110, ई। तथा जी जमीन क्षेत्रफल 2144 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (और इनके उपावड अनुसूनि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कांगलिय सक्षम प्राधिकारी अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ई काइन के अधिन 12-2-86 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से एक दृश्यमान प्रतिफल का पहुँच प्रतिभूत अधिक है और अल्लरक (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिनी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी कार्य की वाक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्कर के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या

(ख.) मिस्री आय पर लिस्टी धन यां अन्य अस्तित्वों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आमदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आमदार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति अवृत्ति :

(1) श्री चंद्रकांत मोतीलाल रोड,

श्रीर 6 अन्य,
के/ओ वाचीन बीला,
दशायोरवाड सोमायटी के नजदाक
पालडी, अहमदाबाद-380007

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रकांत मोतीलाल पटेल
चंद्रकांत...दर्शन सोप एंड कोर्मियन
का. ओ. सोमायटी,
104, पटेल वास,
वाम प. अहमदाबाद

(अंतरिती)

ये सूचना करी दी है पूर्वोक्त संपत्ति के अवृत्ति के लिए एतद्वारा नार्यवाहियां शूल वरन्ति हैं।

उक्त संपत्ति के अवृत्ति दो संघंव में कोई भी आश्रेष्ट।

(क) इन सूचनाएँ के ग्राहण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो वे के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इन सूचनाएँ के ग्राहण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवृत्ति उक्त स्थावर संक्षिप्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

मार्गदर्शक :—इसमें प्रधान शब्दों और पश्चों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथाप्रिभावित है वही अर्थ होता है, जो उस अधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन शेखपुर—खानपुर में, टी. पी. एफ. बी. 110 जमीन लोटफल 2144 वर्ग यार्ड, 37 ई दिनांक 12-2-86 की फाइल कित्र।

तारीख : 22-8-86

मोहर : अहमदाबाद

Ref. No. P. R. No. 4340 Acq. 23[I]86-87.—Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land in Shekhpur, Khanpur, T.P.S.—3, F.P. 110, land dam. 2144 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the 37 EE filed in the office of the Competent Authority, A'bad on 12-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the Object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

Shri Chandrakant Motilal Sheth and six others.
C/o. Bipin Villa, Near Dashaportwad Society, Paldi, Ahmedabad-380007.
(Transferor) (s)

Shri Pankaj Chimanlal Patel, Chairman of the Proposed Darshan Shop and Commercial Co-op. Society, 104, Patel Vas, Veena, Ahmedabad.
(Transferee) (s)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land in Shekhpur Khanpur, T.P.S.-3, F.P. 11C, Land adm. 2144 sq. yds. 37 EE filed on 12-2-86.

Ahmedabad

Dt. 22-8-86

Seol

अहमदाबाद, 28 अगस्त, 1986

निदेश नं. पी. आर. नं. 4694/II/86-87.—अनु: मुख्य ए. के. सिंहा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हसके पालात् उत्तर अधिनियम कहा गया है) या धारा 269 वा के अधीन समझ प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000 से अधिक है और जिसकी में छठा और सातवीं ममला सूरज प्लाजा, है तथा जो सयाजीगंज, बड़ीदा में स्थित है (और हमके उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, 37 ईई, अहमदाबाद में जनभट्टीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन 8-8-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एक दृष्यमान प्रतिफल का पचह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (आतरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से युक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।

(क) अस्तरण से हुई किसी कार्य की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ट में कमी करते पा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या

(ब्र.) ऐसी आप या किसी धन या अस्त्र प्रस्तुतों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या प्रान्त अधिनियम, 57 (1957 का 27) के प्रयोजन; वे अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, उससे में सुविधा के लिये।

अत जब उत्तर अधिनियम को धारा 269 वा के अनुसार में मैं उत्तर अधिनियम, को धारा 269 वा को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटन पे अपत्ति :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी—(अस्तरक)

नायवण कन्स्ट्रक्शन कं. सुरज प्लाजा,
ममाजीगंज, बड़ीदा

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी—(अन्तरिक्षी)

श्री मगनमाही शंकरपांडी पटेल
जिल्हा इट्ट, मगनमाही,
ममाजीगंज,
बड़ीदा

यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न ने विन एचडब्ल्यूएफ
प्रायंकाहिया शुद्ध करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधी या सत्संबंधी अक्षितों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अक्षितों में से किसी अक्षित द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द निसी अन्य अक्षित द्वारा, अन्तरिक्षीकरण के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्टटीकरण :—इसमें प्रमुख पद्धों और परों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के अधीन यापरिवर्तित यही अंतर्न होता, जो उत्त प्रधार में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई का कार्य पर कार्यालय में 8-8-86 मे लेण किया गया है।
जिसका कुल मूल्य 36,17,001/- रुपये है।

तारीख : 28-8-86

मोहर : अहमदाबाद

Ahmedabad, the 28th August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4694 Acq. 23|II|86-87.—Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6th and 7th floors of Suraj Plaza II situated at Maganwadi Sayaji Ganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed here) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE on 8-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to be believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

Narayan Construction Coy. Suraj Plaza, Maganwadi Sayajiganj—Baroda.
(Transferor) (s)

Maganbhai Shankarbhai Patel Education Trust
Maganwadi—Sayaji Ganj—Baroda.
(Transferee) (s)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

The form No. 37EE is filed in this office on 8-8-86 in respect of the A.C. Rs. 36,17,001/-.

Ahmedabad
Dt. 28-8-86
Seal

ग्रहमदावाद, 29 अगस्त, 1986

निरेण सं. पी. भार. नं. 4364—ग्रन्थ: मुने ए. के. सिंहा आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रविनियम कहा गया है) वी भारा 269B के अधीन समस्त प्राप्तिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रुपये 100,000 से अधिक है और जिसकी मं. टी.पी.एस. 30ए.पी. नं. 11, असारका सीम, जमीन है। तथा जो 19147 वर्ग भीट, मकान 8240 वर्ग भीटर में स्थित है (और इसके उपर्युक्त भानुमूर्ती में और पूर्ण रूप से अण्ठित है) रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदावाद में रजिस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिकल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथावृत्त सम्पत्ति का उक्त आकार मूल्य उक्ते दृश्यमान प्रतिकल से, एक दृश्यमान प्रतिकल का पूर्व प्रतिगत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, विनानिति उद्देश्य से मुक्त प्रत्यक्ष विनियम में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है।

(क) भारत से दुर्लिखी की आदत प्राप्त कर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के विविध में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए प्रो/या प्रध्य/या

(छ) ऐसी आदत या दुर्लिखी या अन्य अस्तियों को जिन्हें भालोप्राप्त कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाये अन्तरितो द्वारा प्रक्रिया नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, उसमें में सुविधा के लिये।

प्रत्यक्ष उक्त प्रविनियम को भारा 269A के ग्रन्तप्रयोग में, भूवत प्रधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

- (1) ग्रहमदावाद प्रेसिङ गोपनीय एड मैन्यु. कंपनी,
मरोडा रोड,
ग्रहमदावाद। (अन्तर्क)
- (2) मैसर्सं सी.एस. संक्षेप पूता
परसं,
985/3, एसीसिज,
पातों, ग्रहमदावाद (अन्तर्की)

यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जीर्ण में आदेष,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तालीम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति छाँटा।

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान अस्तिति ने हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधो-हस्ताभारी के पास विनियम में किए जा सकें।

स्टॉकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) में अन्याय 20 के व्यापरिमाणित है उस अर्थ होगा, जो उप प्रधानमें दिया गया है।

अनुसूची

दा. वा. एस. 30. एक. पी. नं. 11, ग्रहमदावाद सीम अमान क्लॉफस 19147 वर्ग मीटर भारा भूमि क्लॉफस 3240 वर्ग मीटर, भागोवारी भानुमान 37 इह विनांक 19-6-86 को काल किया।

ग्रहमदावाद

तारीख : 23-8-86

मोहर :

Ahmedabad, the 29th August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4364/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. T.P.S. 30 F.P. No. 11

Asarwa Sim Land adm. 19147 Sq. Mtrs. and building adm. 8240 Sq. Mtrs. Partly tenanted. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C₁ of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

The Ahmedabad Pressing Ginning & Mfg. Co.
Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferor) (s)

M/s. C.S. Sanghavi Poona Works, 983/3, Ellis
Bridge, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

T.P.S. 30 F.P. No. 11 Asarwa Sim land adm. 19147 Sq. Mtrs. and building adm. 8240 Sq. Mtrs. Partly tenanted. 37 EE dt. 19-6-86.

Ahmedabad

Dt. 29-8-86

Seal

निंदण नं. पी. आर. नं. 4369.—प्रति सूची ए. के. सिन्हा आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हामे इसमें प्रत्यात्मक उक्त अधिनियम का बोला है) भी धारा 269 वाले द्वारा सभी प्राधिकारी को यह विवाद उठाने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाम नहीं 100,000 रुपये के दर्भान है शीर जिसकी संख्या 913.13 और 112.87 वाले यादे, मकान के साथ म स्थित है (आर. इसमें उपापेक्षा अनुमती में अद्य पूर्ण रूप से दर्शाया है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी का वार्षिक दृष्टिदाता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 4-4-86 का पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित भूमि से कम के दृश्यमान प्रतिकला के लिये घनित की गई है और सुन्दर यह विवाद करने का कारण है कि वग़ान्डीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकला से एक दृश्यमान प्रतिकला का पंडित प्रतिलिपि अधिकारी और अन्तरक (अन्तरकों) वार्षिक अंतरकों (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तात्पारा गया प्रतिकला, विस्तारित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अंतर नहीं किया गया है।

(क) गम्भार ने ही किसी भाव से वास्तव आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देते के अन्तर के दायित्व में कर्म करने या उसमें व्यवसाय में सुविधा के लिए और/या, अन्यथा

(ख) ऐसी धरा या किसी धरा या अन्य आदिकारों को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, दिनांक में सुविधा के लिये,

श्रृङ् अब उक्त अधिनियम की धारा 269 वाले अनुसार अधिनियम में मैं उक्त अधिनियम की द्वारा 269 वाले उक्त अधिनियम (1) के अधीन सम्पत्ति अधिकारी का अधीन :—

(1) वा. सुधार इन्डियन नानावती.

‘सुधार कुज’

वा. कालेज के पीछे,

वा. ग्रीतमीज, प्रह्लदानार

(अन्तरक)

(2) वा. क्षात्रोक्तव्य गोविवराम अपवाल आर 3 अन्य

मुद्रा प्रमाणट—प्रयोजन नानावती अंग्रेजी

अन्तर्गत एसांसीयेन (नान ट्रेडिंग कार्पोरेशन),

नानावती अन्तरकावाद।

(अन्तरिक्ष)

यह सूचना जारी करने के पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए एक द्वारा कायदाविधान मुख्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तांत्रिक से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वार्ष में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितप्रद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के गाव लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण : इस प्रयोजन अन्यान वर्ष का जीर्ण आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में अध्याय 20 के व्यापरिभावित है क्योंकि व्यवसाय सेगम, जो उस अध्याय में दिया गया है।

બાબુન

ચંગિસ્પુર સીમ, એફ.પી.નં. 408, ઓસ. પો.ન. 2, ટી.પી.એસ.
3; જમીન લાંડ ફલ 913.13 વર્ગ કાર્ડ આઈ 112.87 વર્ગ કાર્ડ મંકાન
કે સાથ રજિસ્ટ્રેશન નં. 6442 dt. 4-4-86.

સાથે દર્શાવેલા, સાથે દર્શાવેલા
(માનુષ આપકર બાબુન, (નિરીક્ષણ) જાહેર રેજ.
દાખાદ)

તારીખ: 29-8-86
મોહર: અહેમદાબાદ

Ref. No. P.R. No. 1 4369 T.A.C. 29-80-81.—Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Changispur Sini F. P. N. 400 S.P. No. 2 T.P.S. No. 3 land adm. 913.13 Sq. Yds. and 112.87 Sq. Yds. under Road with building (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration before by more than fifteen per cent (15%) of the consideration and that the consideration for the transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:-

Shri Sudhir Indravadan Nanavati, 'Sudhir Kunj' Behind Law College, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor) (s)

Trilokchand Govindram Agrawal and 3 others main Promotors of Proposed Nanawati Chambers Owners Association (Tea Trading Corporation) Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Changispur sim F. P. No. 400 S.P. No. 2 T.P.S. No. 3 land adm. 913.13 Sq. Yds. and 112.87 Sq. Yds. under Road with building R. No. 6442 dt. 4-4-86.

Ahmedabad

Dated : 29-8-86.

A. K. SINHA, Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range 1
AHMEDABAD).

નિદ્યનં. પા. આર. નં. 4372.—પ્રત્યે મણી બી. આર. કૌશિક
આયકર અધિનિયમ, 1961 (1961 કા 43) (જિસે
ઇસે ઇસે પણચાત્ર ઉત્તે અધિનિયમ કહા ગયો હૈ)
કી ધારા 269 વિનિયોગ કે અધીન સર્વેમ પ્રાધિકારી કો વહે વિશ્વાસ કરને
કા કારણ હૈ કે સ્થાવર સંપત્તિ, જિસકા ઉત્તીત બાજીર મૂલ્ય
રૂ. 100,000 સે અધિક હૈ ઓર જિસકો સં. જમીન લેન્ડ ફલ 1943.45
વર્ગ મીટર + મકાન 602 વર્ગ મીટર હૈને ત્યા જો ટી. પી. એસ. 3,
ઓસ. પી. ન. 803, અહેમદાબાદ મેં સ્થિત હૈ (ઓર ઇસે ઉત્તીત અનુ
સૂચિ મેં ઓર પૂરીણ સે વણિત હૈને) રાજોસ્ટીકર્તા અધિકારી કે કાર્યાલય,
સર્વેમ પ્રાધિકારી મેં અહેમદાબાદ રોજસ્ટીકરણ, અધિનિયમ 1908 (1908
કા 16) કે અધીત 29-8-86 કો પૂર્વોત્ત સંપત્તિ કે ઉત્તીત મૂલ્ય સે કમ
કે દૃષ્યમાન પ્રતિફળ કે લિયે અન્તરિત કી ગઈ હૈ ઓર મુજ્જે યા
વિશ્વાસ કરને કા કારણ હૈને કે યથાત્વીક્ત સમ્પત્તિ કા ઉત્તીત બાજીર
મૂલ્ય ઉત્સકે દૃષ્યમાન પ્રતિફળ મેં, એક દૃષ્યમાન પ્રતિબળ કા પંદ્રહ પ્રતિશાસ્ત
ગ્રાફિક હૈ ઓર અન્તરિક (અન્તરસ્ક્રોન) ઓર અન્તરિતી (અન્તરિતિકો)
કે બોંબ એસે અન્તરણ કે લિયે તવ પાથા ગયા પ્રતિફળ, નિમ્નલિંગિં ઉદ્ઘાસ
સે યુદ્ધ અન્તરણ નિભિન્ન મેં પાસનિક રૂપ મેં કથિત નથી કિયા ગયા હૈ।

(ક.) અન્તરણ રો હુંદે કિસી આય કી બાબત આયકર અધિનિયમ 1961
(1961 કા 43) કે અધીન કર દેને કે અંતરક કે વાયન્ન મેં કમી
કરને થા ઉત્સકે બચ્ચે મેં ગુવિયા કે લિએ બીજી/ગા અન્ય/યા

(ખ.) એસી આય યા કિંતી ધન યા અન્ય શાસ્ત્રીય
આયકર અધિનિયમ 1922 (1922 કા 11) યા આયકર અધિનિયમ,
1961 (1961 કા 43) યા ધનકર અધિનિયમ, (1957 કા 27)
કે પ્રોઝેનાર્થ અન્તરિતી દ્વારા પ્રકટ નહીં કિયા ગયા થા યા કિયા જાત
ચાહીયે થા, છિયાને મેં સુવિધા કે લિયે।

ग्रन्त जब उस अधिनियम की धारा 269A के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति पे अवश्य :—

- (1) श्रीमति क्लोस्ट्रीवेन आर. पटेल
मनुषाई बी. पटेल
कमलगाई बी. पटेल, और अन्य,
'आनंद भवन', ग्रेलीसप्लाइ,
भ्रह्मदाबाद.
(भरतरक)
- (2) श्री निम्बलसींग डी. राणा
वीरेन्द्र बी. तुरखीया और अन्य,
आखीया कापरिलन,
ताहीवाल, भ्रह्मदाबाद.
(भरतरक)
- (3) श्री लिलार्पे आर. पटेल
कुमारपाल आर. पटेल
शीतालीन आर. पटेल
बासुमतोलीवेन बी. पटेल.
'आनंद भवन', बेलीसप्लाइ, भ्रह्मदाबाद
रसिकलाल शीताललाल लाल
राजजीभाई छना भाई पटेल
एलिमिनिज भ्रह्मदाबाद
(वह अविति, जिसके बारे में अधोइकाशरी
जानता है वह सम्पति में हितवद्ध है)
- (4) श्री/श्रीमति/कुमारी—
व्यक्ति जिसके बारे में अधोइकाशरी
जानता है वह सम्पति में हितवद्ध है

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पति के अवैत के लिए प्रत्येक दारा कार्यवाहिका शुल्क करता है।

उक्त संपत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी दावेदार,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तालीम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नयो-हस्ताशरी के पास सिद्धित में विये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों आ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20 में व्यापरिकाश हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जर्मन थोकफल 1993.45 बर्ग गोटर + भकान 802 बी. पंडी
भ्रह्मदाबाद में टी. आ. जेस.-J. ब्रेक. पी. नं. 802 भ्रह्मदाबाद
37 ई 2-9-86 को फाईल किया।

बी. आर. कौशिक, संधाम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेज
भ्रह्मदाबाद.

तारीख 8-9-86

ओहर : भ्रह्मदाबाद

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. P.R. No. 4372 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I B. R. Kaushik being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Land Admn. 1993.45 Sq. Mtrs.+Building adm. 602 Sq. Mtrs. T.P.S. 3, F.P. No. 802, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37 EE filed on 2-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Kaumudiben R. Patel & others, Anubhai A. Patel, Kamalbhai A. Patel, Anand Bhuvan, Ellis Bridge, Ahmedabad.

. . (Transferor) (s)

Nirmala Singh, D. Rana, Virendra J. Turakhia and Others, Asya Corporation Shahibaug Road, Ahmedabad.

. . (Transferor) (s)

Siddharth R. Patel, Shri Kumarpal R. Patel (Karta), Shri Pinakin R. Patel (Karta), Smt. Basumatiben A. Patel, Rasiklal Chimanlal Shah, Ravjibhai Shanabhai Patel, Anand Bhuvan, Ellis Bridge, Ahmedabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act

shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land adm. 1993.45 Sq. Mtrs.+Building adm.
602 Sq. Mtrs., at Ahmedabad T.P.S.-3, F.P.
No. 602, Ahmedabad. 37 EE filed on
2-9-86.

B. R. KAUSHIK, Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner Income-tax,
Acquisition Range III, Ahmedabad)

Ahmedabad

Dt. 8-9-86.

Seal

